मीडिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन

सत्र -2022-2023

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर पत्रकारिता एवं जनसंचार के पंचम प्रश्न पत्र के आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु लघु शोध प्रबंध

मार्गदर्शक

डॉ. अनुपमा कुमारी

असिस्टेंट प्रोफेसर

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

उत्सव प्रजापति

एम.ए.जे.एम.सी चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक: 21008122

नामांकन संख्या:GGV/18/8350

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
H.O.D
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
Dept. of Journalism & Mass Communication
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
बिलासपुर (छ.ग.)
Bilaspur (C.G.)

Scanned with OKEN Scanner

प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **उत्सव प्रजापति** एम. ए.,चतुर्थ सेमेस्टर ,पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के छात्र हैं। इन्होंने मेरे निर्देशन में "**मीडिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन** " विषय पर लघु शोध प्रबंध पूर्ण किया है तथा लघु शोध -पत्र लेखन में विश्वविद्यालय द्वारा वर्णित सभी शोध नियमों का अनुपालन किया है।

दिनांक:

स्थान - बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. धीरज शुक्ला
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर(छ. ग.)

Anupama kumari
शोध निर्देशक
डॉ. अनुपमा कुमारी
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर(छ. ग.)

Scanned with OKEN Scanner

अध्याय एक

परिचय ,साहित्य की समीक्षा एवं शोध पद्धति

1.1 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिचय

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने विभिन्न उद्योगों को काफ़ी बदल दिया है और मीडिया क्षेत्र कोई अपवाद नहीं है। हाल के वर्षों में, कृत्रिम बुद्धि ने हमारे बनाने, वितरित करने, उपभोग करने और यहाँ तक कि पैसे कमाने के तरीके में क्रांति ला दी है। मीडिया पर इसका प्रभाव सामग्री निर्माण, निजीकरण, दर्शकों की व्यस्तता और डेटा विश्लेषण के माध्यम से देखा जा सकता है। इस तकनीकी विकास ने एक नए युग की शुरुआत की है जो मीडिया पेशेवरों और उपभोक्ताओं के लिए नए अवसर और चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है।

1. सामग्री निर्माण और सुधार:

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने सामग्री उत्पादन प्रक्रियाओं को स्वचालित और सुव्यवस्थित करना संभव बना दिया है। समाचार लेख और रिपोर्ट बनाने से लेकर संगीत, कला और यहाँ तक कि वीडियो सामग्री बनाने तक, एआई एल्गोरिदम मानव रचनात्मकता की नकल कर सकते हैं। यह न केवल दक्षता बढ़ाता है, बल्कि सामग्री निर्माण के लिए नए अवसर भी प्रदान करता है। इसके अलावा, एआई-आधारित उपकरण मदद करते हैं, उदाहरण के लिए, वीडियो संपादन, छवि की गुणवत्ता में सुधार और प्रति लेखन और अनुवाद सेवाओं को स्वचालित करना।

2. व्यक्तिगत सामग्री का वितरण:

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए मीडिया की खपत तेजी से व्यक्तिगत हो गई है। एल्गोरिदम व्यक्तिगत स्वाद के अनुरूप सामग्री की निगरानी और सिफ़ारिश करने के लिए उपयोगकर्ता व्यवहार, वरीयताओं और ऐतिहासिक डेटा का विश्लेषण करते हैं। यह वैयक्तिकरण उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाता है और सहभागिता को बढ़ाता है। उड़ान प्लेटफ़ॉर्म, सोशल मीडिया और

Scanned with OKEN Scanner